Bijli Isti'maal Karne Ke Baare Mein Madani Phool (Hindi)

बिजली इस्ति'माल करने के बारे में म-दनी फूल

- बिजली इस्ति'माल करने के 80 म-दनी फूल
- वॉशिंग मशीन के बारे में 3 म-दनी फूल
- UPS बहुत ज़ियादा बिजली खाता है
- गैस बचाने के 3 म-दनी फूल
- इस्त्री बे दर्दी से बिजली खाती है

शैख़े तरीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, हज़रते अल्लामा मौलाना अबू बिलाल

मुहम्मद इल्यास अत्तार क़ादिरी र-ज़वी

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِیْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰی سَیِّدِ الْمُرْسَلِیْنَ
اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّیْطٰنِ الرَّجِیْمِ ؕ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ ؕ

किताब पढ़ने की दुआ

अज़ : शैखे़ त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी, ह़ज़रते अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल **मुह़म्मद इल्यास अ़त्तार क़ादिरी** र-ज़वी دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَه

दीनी किताब या इस्लामी सबक़ पढ़ने से पहले ज़ैल में दी हुई दुआ़ पढ़ लीजिये اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ जो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा। दुआ़ येह है :

اَللّٰهُمَّ افْتَحْ عَلَیْنَا حِکْمَتَکَ وَانْشُرْ
عَلَیْنَا رَحْمَتَکَ یَا ذَاالْجَلَالِ وَالْاِکْرَام

तरजमा : ऐ **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ ! हम पर इ़ल्मो ह़िक्मत के दरवाज़े खोल दे और हम पर अपनी रह़मत नाज़िल फ़रमा ! ऐ अ़-ज़मत और बुज़ुर्गी वाले। (المُستطرَف ج۱ ص۴۰ دارالفکر بیروت)

नोट : अव्वल आखि़र एक एक बार दुरूद शरीफ़ पढ़ लीजिये।

त़ालिबे ग़मे मदीना
व बक़ीअ़
व मग़्फ़िरत

13 शव्वालुल मुकर्रम 1428 हि.

बिजली इस्ति'माल करने के म-दनी फूल

येह रिसाला (**बिजली इस्ति'माल करने के म-दनी फूल**)

शैखे़ त़रीक़त, अमीरे अहले सुन्नत, बानिये दा'वते इस्लामी ह़ज़रत अ़ल्लामा मौलाना अबू बिलाल **मुह़म्मद इल्यास अ़त्तार क़ादिरी** र-ज़वी دَامَتْ بَرَكَاتُهُمُ الْعَالِيَه ने **उर्दू** ज़बान में तह़रीर फ़रमाया है।

मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी) ने इस रिसाले को **हिन्दी** रस्मुल ख़त़ में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-बतुल मदीना से शाएअ़ करवाया है। इस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाएं तो मजलिसे तराजिम को (ब ज़रीअ़ए मक्तूब, ई-मेइल या SMS) मुत्त़लअ़ फ़रमा कर सवाब कमाइये।

राबित़ा : मजलिसे तराजिम (दा'वते इस्लामी)

मक-त-बतुल मदीना

सिलेक्टेड हाउस, अलिफ़ की मस्जिद के सामने, तीन दरवाज़ा,
अह़मदआबाद-1, गुजरात
MO. 9374031409 E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَ الصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ط بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ط

कुछ इस रिसाले के बारे में.....

पिछले दिनों बिजली फ़राहमी के इदारे का एक वफ़्द आ़लमी म-दनी मर्कज़ **फ़ैज़ाने मदीना** (बाबुल मदीना) में ह़ाज़िर हुवा, **दा'वते इस्लामी** की मर्कज़ी मजलिसे शूरा के निगरान **ह़ाजी इमरान** سَلَّمَهُ الرَّحْمٰن से मुलाक़ात की सआ़दत ह़ासिल की और **म-दनी चेनल** पर बिजली के बे जा सर्फ़ और बिजली चोरी करने वालों की मज़म्मत को ख़ूब सराहा और बिजली की बचत में मुआ़विन बनने वाले दो[2] अ़दद हेंड बिल्ज़ पेश किये। निगराने शूरा ने सगे मदीना عُفِیَ عَنْهُ को हेंड बिल्ज़ दे कर कुछ लिखने का ज़ेह्न दिया और मैं ने चन्द मश्वरे लिख कर वोह हेंड बिल्ज़ दा'वते इस्लामी की मजलिस, ''**अल मदीनतुल इल्मिय्या**'' को भिजवा दिये, इस पर उन्हों ने कुछ मवाद तय्यार कर के इ़नायत फ़रमाया और सगे मदीना ने उस की तद्वीन में अपना ह़िस्सा मिलाया, मज़्कूरा इदारे की नज़र से गुज़ारा, निगराने शूरा नीज़ **अल मदीनतुल इल्मिय्या** से नज़रे सानी करवाई, दा'वते इस्लामी की ''मजलिसे इफ़्ता'' ने शर-ई तफ़्तीश फ़रमाई और اَلْحَمْدُ لِلّٰه यूं रिसाला, ''बिजली इस्ति'माल करने के म-दनी फूल'' मन्ज़रे आ़म पर आया। रिसालए हाज़ा में पेश कर्दा तक्नीकी (Technical) मा'लूमात ज़ियादा तर मज़्कूरा दो अ़दद हेंड बिल्ज़ ही से ली गई हैं। **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ इस रिसाले को **आ़शिक़ाने रसूल** के लिये दुन्या व आख़िरत के फ़वाइदो ब-रकात का बाइ़स बनाए और इस की तरतीब में ह़िस्सा लेने वालों और इसे मुकम्मल पढ़ने और बिजली के इसराफ़ से बचने वाले और बचने वालियों की बे ह़िसाब बख़्शिश फ़रमाए।

اٰمِین بِجاہِ النَّبِیِّ الْاَمین صَلَّی اللہ تعالٰی علیہ واٰلہٖ وسلَّم

ता़लिबे ग़मे मदीना व
बक़ीअ़ व मग़्फ़िरत व
बे ह़िसाब जन्नतुल
फ़िरदौस में आक़ा
का पड़ोस

8 ज़ुल ह़िज्जतिल ह़राम 1433 सि.हि.
25-10-2012

صَلُّوا عَلَی الْحَبِیب! صَلَّی اللہُ تعالٰی علٰی محمَّد

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ
اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ ؕ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ؕ

बिजली इस्ति'माल करने के म-दनी फूल

ग़ालिबन आप को शैत़ान येह रिसाला (26 सफ़ह़ात) नहीं पढ़ने देगा मगर आप कोशिश कर के पूरा पढ़ कर शैत़ान के वार को नाकाम बना दीजिये ।

दुरूद शरीफ़ की फ़ज़ीलत

हुज़ूरे अकरम, **नूरे मुजस्सम** صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم का फ़रमाने रह़मत निशान है : "जिस ने किताब में मुझ पर दुरूदे पाक लिखा तो जब तक मेरा नाम उस में रहेगा फ़िरिश्ते उस के लिये इस्तिग़फ़ार (या'नी दुआए मग़्फ़िरत) करते रहेंगे ।" (اَلْمُعْجَمُ الْاَوْسَط ج۱ص۴۹۷ حدیث۱۸۳۵)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيْب ! صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

वलिय्युल्लाह की दा'वत की ह़िकायत

ह़ज़रते सय्यिदुना ह़ातिमे **असम** عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللّٰهِ الْاَكْرَم को एक मालदार शख़्स ने **ब इसरार** दा'वते त़आम दी, फ़रमाया : मेरी येह **तीन शर्तें** मानो तो आऊंगा, ﴿1﴾ मैं जहां चाहूंगा बैठूंगा ﴿2﴾ जो चाहूंगा खाऊंगा ﴿3﴾ जो कहूंगा वोह तुम्हें करना पड़ेगा । उस मालदार ने वोह तीनों[3] शर्तें मन्ज़ूर कर लीं । **वलिय्युल्लाह** की ज़ियारत के लिये बहुत सारे लोग जम्अ़ हो गए । वक़्ते मुक़र्ररा पर **ह़ज़रते** सय्यिदुना ह़ातिमे **असम** عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللّٰهِ الْاَكْرَم भी तशरीफ़ ले आए और

फ़रमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰی عَلَیْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم : जिस के पास मेरा ज़िक्र हुवा और उस ने मुझ पर दुरूदे पाक न पढ़ा तहक़ीक़ वोह बद बख़्त हो गया । (ابن سنی)

जहां लोगों के **जूते** पड़े थे वहां बैठ गए । जब खाना शुरूअ़ हुवा, सय्यिदुना हातिमे **असम** عَلَیْهِ رَحْمَةُ اللّٰهِ الْاَکْرَم ने अपनी झोली में हाथ डाल कर **सूखी रोटी** निकाल कर तनावुल फ़रमाई । जब सिल्सिलए तआम का इख़्तिताम हुवा, मेज़बान से फ़रमाया : "चूल्हा लाओ और उस पर **तवा** रखो ।" हुक्म की ता'मील हुई, जब आग की तपिश से **तवा** सुर्ख़ अंगारा बन गया तो आप رَحْمَةُ اللّٰهِ تَعَالٰی عَلَیْه उस पर नंगे पाउं खड़े हो गए और फ़रमाया : **"मैं ने आज के खाने में सूखी रोटी खाई है ।"** येह फ़रमा कर **तवे** से नीचे उतर आए और हाज़िरीन से फ़रमाया : अब आप हज़रात भी बारी बारी इस **तवे** पर खड़े हो कर जो कुछ अभी खाया है उस का हिसाब दीजिये । येह सुन कर लोगों की चीख़ें निकल गईं, **ब-यक** ज़बान बोल उठे : या सय्यिदी ! हम में इस की ताक़त नहीं, (कहां येह **गर्म गर्म तवा** और कहां हमारे नर्म नर्म क़दम ! हम तो गुनहगार दुन्यादार लोग हैं) आप رَحْمَةُ اللّٰهِ تَعَالٰی عَلَیْه ने फ़रमाया : **जब** इस दुन्यवी गर्म तवे पर खड़े हो कर आज सिर्फ़ एक वक़्त के खाने की ने'मत का हिसाब नहीं दे सकते तो कल बरोज़े क़ियामत आप हज़रात ज़िन्दगी भर की ने'मतों का हिसाब किस तरह देंगे ! फिर आप رَحْمَةُ اللّٰهِ تَعَالٰی عَلَیْه ने पारह 30 **सू-रतुत्तकासुर** की आख़िरी आयत की तिलावत फ़रमाई :

ثُمَّ لَتُسْـَٔلُنَّ یَوْمَىٕذٍ عَنِ النَّعِیْمِ ﴿۸﴾

तर-ज-मए कन्ज़ुल ईमान : फिर बेशक ज़रूर उस दिन तुम से ने'मतों से पुरसिश होगी ।

येह रिक़्क़त अंगेज़ इर्शाद सुन कर लोग दहाड़ें मार कर रोने और गुनाहों

से तौबा तौबा पुकारने लगे । (مُلَخَّص از تذکرۃ الاولیاء، الجزء الاوّل ص ۲۲۲) **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ **की उन पर रह़मत हो और उन के सदक़े हमारी बे ह़िसाब मग़्फ़िरत हो ।** اٰمِين بِجَاهِ النَّبِيِّ الْاَمِين صَلَّى اللهُ تعالٰى عليه واٰله وسلَّم

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب ! صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

हर ने'मत का ह़िसाब होगा

मुफ़स्सिरे शहीर **ह़कीमुल उम्मत** ह़ज़रते मुफ़्ती अह़मद यार ख़ान عَلَيْهِ رَحْمَةُ الْحَنَّان इस ह़िकायत में मज़्कूरा आयते मुबा-रका ثُمَّ لَتُسْـَٔلُنَّ يَوْمَىِٕذٍ عَنِ النَّعِيْمِ ﴿۸﴾ के तह़्त येह भी फ़रमाते हैं : येह सुवाल हर ने'मत के मु-तअ़ल्लिक़ होगा, जिस्मानी या रूह़ानी, ज़रूरत की हो या ऐ़शो राह़त की, ठन्डे पानी, दरख़्त के साए, राह़त की नींद का भी ।

(नूरुल इ़रफ़ान, स. 956)

बिजली भी एक ने'मत है

मीठे मीठे इस्लामी भाइयो ! अल्लाह عَزَّوَجَلَّ की इ़नायत कर्दा बे शुमार ने'मतों में से **बिजली भी एक ने'मत है** क्यूं कि इस के ज़रीए़ हमें बहुत से दीनी व दुन्यवी फ़वाइद ह़ासिल होते हैं लिहाज़ा इस के बारे में भी **सुवाल** होगा । **ह़ुज्जतुल इस्लाम** ह़ज़रते सय्यिदुना इमाम अबू ह़ामिद मुह़म्मद बिन मुह़म्मद बिन मुह़म्मद ग़ज़ाली عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللهِ الْوَالِى फ़रमाते हैं : बरोज़े क़ियामत तुम से येह **सुवालात** होंगे : ﴿1﴾ तुम ने येह चीज़ किस त़रह़ ह़ासिल की ? ﴿2﴾ इसे कहां ख़र्च किया ? और ﴿3﴾ किस निय्यत से ख़र्च किया ?

(منہاج العابدین ص ۹۱)

फ़रमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَ اٰلِهٖ وَسَلَّم : जिस के पास मेरा ज़िक्र हुवा और उस ने मुझ पर दुरूद शरीफ न पढा उस ने जफा की । (عبدالرزاق)

बिजली फ़ुज़ूल मत ख़र्च कीजिये

कुरआने करीम में कई मक़ामात पर फ़ुज़ूल ख़र्ची से मन्अ़ किया गया है चुनान्चे फ़रमाने रब्बुल अ़ज़ीम है :

وَلَا تُبَذِّرْ تَبْذِيْرًا ﴿۲۶﴾ (پ۱۵ بنی اسرائیل)

तर-ज-मए कन्ज़ुल ईमान : और फ़ुज़ूल न उड़ा ।

इस हुक्मे कुरआनी के पेशे नज़र हमें चाहिये कि **बिजली** के फ़ुज़ूल इस्ति'माल से भी बचें ।

अफ़्सोस ! मकान हो या दुकान, कारख़ाना हो या दवाख़ाना, मस्जिद हो या ख़ानक़ाह, मद्रसा हो या दर्सगाह, दिन हो या शब उ़मूमन बे सबब कई कई बल्ब रोशन और पंखे ऑन रखे जाते हैं। घरों के ख़ाली कमरों में भी बे परवाही के सबब बत्ती पंखे चल रहे होते हैं, इस्तिन्जा ख़ानों (Toilets) में कोई नहीं होता मगर बिला ह़ाजत वहां का बल्ब हर वक़्त रोशन रहता है। हां जहां ब कसरत आ-मदो रफ़्त रहती हो वहां ज़रूरतन रात भर बल्ब रोशन रखने में ह़रज नहीं । आलू छोले, समोसे पकोड़े, दही भल्ले और इसी त़रह़ के खाने पीने की चीज़ें बेचने वालों का गाहकों को माइल करने के लिये अपनी रेढ़ियों वग़ैरा पर कई कई बल्ब रोशन रखना जाइज़ है कि यहां इस का सह़ीह़ मक़्सद मौजूद है लेकिन चूंकि बिजली एक क़ीमती और ज़रूरी चीज़ है और कई मुल्कों में बिजली की कमी की वजह से लोग पहले ही मसाइल में मुब्तला हैं ख़ुसूसन हमारे अपने मुल्क "**पाकिस्तान**" में लिहाज़ा बत़ौरे ख़ास ऐसी जगहों के ह़वाले से अ़र्ज़ है कि जहां दुकानों, ठेलों पर ज़ाइद बल्ब जलाने की इजाज़त भी है वहां भी चन्द चीज़ों का शरअ़न, क़ानूनन या अख़्लाक़न ख़याल ज़रूर रखा जाए, पहली येह कि बिजली चोरी कर के इस्ति'माल न की जा रही हो । दूसरी येह कि क़ानूनी त़ौर पर इस की

इजाज़त हो। तीसरी येह कि यहां भी ज़रूरत की ह़द तक इस्ति'माल की जाए और मह़ज़ डेकोरेशन (या'नी सजावट) के लिये इस्ति'माल न हो बल्कि डेकोरेशन के लिये वोह त़रीक़ा इख़्तियार किया जाए जिस में बिजली का इस्ति'माल न होता हो, ताकि कम अज़ कम हमारे यहां जो बिजली की सूरते ह़ाल है उस में कुछ बेहतरी आ सके।

इसराफ़ करने वाले अल्लाह عَزَّوَجَلَّ को ना पसन्द हैं

याद रखिये ! इसराफ़ (या'नी बे जा ख़र्च) करने वाले **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ को ना पसन्द हैं चुनान्चे पारह 8 **सू-रतुल अन्आ़म** की आयत 141 में इर्शाद होता है :

وَلَا تُسْرِفُوْا ؕ اِنَّهٗ لَا يُحِبُّ الْمُسْرِفِيْنَ ۙ﴿۱۴۱﴾

तर-ज-मए कन्ज़ुल ईमान : और बे जा न ख़र्चो बेशक बे जा ख़र्चने वाले उसे पसन्द नहीं।

इसराफ़ की तफ़्सील

मुफ़स्सिरे शहीर **ह़कीमुल उम्मत** ह़ज़रते मुफ़्ती अह़मद यार ख़ान عَلَيْهِ رَحْمَةُ الْحَنَّان इस आयते मुक़द्दसा के तह़्त **बे जा ख़र्च** (या'नी इसराफ़) की तफ़्सील बयान करते हुए रक़म त़राज़ हैं : ना जाइज़ जगह पर ख़र्च करना भी **बे जा ख़र्च** है और सारा माल ख़ैरात कर के बाल बच्चों को फ़क़ीर बना देना भी **बे जा ख़र्च** है, ज़रूरत से ज़ियादा ख़र्च भी **बे जा ख़र्च** है, इसी लिये आ'ज़ाए वुज़ू को (बिला इजाज़ते शर-ई) चार बार धोने से मन्अ़ किया गया है। (नूरुल इरफ़ान, स. 232)

इसराफ़ किसे कहते हैं ?

फ़तावा र-ज़विय्या जिल्द 1 **सफ़ह़ा** 926 पर है, इसराफ़ का मा'ना है : "ग़ैरे ह़क़ में सर्फ़ (या'नी ख़र्च) करना।" एक और मक़ाम पर

मज़ीद तह़रीर है : (वोह) **इसराफ़** कि (जो) ना जाइज़ व गुनाह है (वोह) सिर्फ़ (इन) दो[2] सूरतों में होता है, एक येह कि किसी गुनाह में सर्फ़ (या'नी ख़र्च) व इस्ति'माल करें, दूसरे बेकार मह्ज़ माल ज़ाएअ़ करें । (फ़तावा र-ज़विय्या, जि. 4, स. 743) **दा'वते इस्लामी** के इशाअ़ती इदारे **मक-त-बतुल मदीना** के मत़्बूआ़ तरजमे वाले पाकीज़ा क़ुरआन, **''कन्ज़ुल ईमान मअ़ ख़ज़ाइनुल इरफ़ान'' सफ़ह़ा** 5 पर पारह 1 **सू-रतुल ब-क़रह** की आयत नम्बर 3 के तह़्त **सदरुल अफ़ाज़िल** ह़ज़रते अ़ल्लामा मौलाना सय्यिद मुह़म्मद नईमुद्दीन मुरादआबादी عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللهِ الْهَادِى लिखते हैं : ''इन्फ़ाक़ (या'नी ख़र्च) में **इसराफ़** मम्नूअ़ है या'नी इन्फ़ाक़ (या'नी ख़र्च) ख़्वाह अपने नफ़्स (या'नी अपनी ज़ात) पर हो या अपने अह्ल (या'नी घर वालों) पर या किसी और पर, (ख़र्च हमेशा) ए'तिदाल (या'नी मियाना रवी) के साथ हो(ना चाहिये और ख़याल रखना चाहिये कि) **इसराफ़** न होने पाए ।''

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب ! صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

बिजली इस्ति'माल करते वक़्त मौक़अ़ की मुना-सबत से अच्छी निय्यतें कर लीजिये

हर मुबाह़ काम (या'नी जिस का करना सवाब हो न गुनाह) अच्छी निय्यत से करने से इ़बादत बन जाता है । **बिजली** इस्ति'माल करते हुए भी **अच्छी अच्छी निय्यतें** करते रहना चाहिये म-सलन फ़्रीज, वॉशिंग मशीन, A.C, पंखा, बत्ती वग़ैरा ऑन ऑफ़ करते वक़्त हर बार ब निय्यते सवाब بِسْمِ اللهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْم पढ़ना और ज़रूरत पूरी हो चुकने पर **बिस्मिल्लाह** पढ़ कर इसराफ़ से बचने

की **निय्यत** से फ़ौरन बन्द (OFF) कर देना । नमाज़ पढ़ते वक़्त ख़ुशूअ़ (या'नी दिल जम्ई) पर मदद ह़ासिल करने की निय्यत से **पंखा** या **A.C** चलाना नीज़ येह चीज़ें सोते वक़्त चलाने में येह **निय्यतें** की जा सकती हैं : नींद पर मदद ह़ासिल करने और नींद के ज़रीए इबादत पर क़ुव्वत पाने के लिये بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْم پढ़ कर पंखा (या A.C) चलाऊंगा और ज़रूरत पूरी हो जाने के बा'द इसराफ़ से बचने की **निय्यत** से بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْم पढ़ कर बन्द कर दूंगा । घर के दूसरे अफ़राद या मेहमान वग़ैरा हों तो पंखा वग़ैरा चलाने में उन की दिलजूई की **निय्यत** भी की जा सकती है । इसी त़रह़ फ़्रीज में ग़िज़ाएं रखते वक़्त मौक़अ़ की मुना-सबत से अच्छी अच्छी **निय्यतें** कर सकते हैं म-सलन गोश्त या बचा हुवा खाना रखते वक़्त येह **निय्यत** कीजिये : इसे ज़ाएअ़ होने से बचाने के लिये फ़्रीज में रखता हूं । **वॉशिंग मशीन** चलाते वक़्त ह़स्बे ह़ाल येह **निय्यत** हो सकती है : सफ़ाई की सुन्नत पर मदद ह़ासिल करने के लिये वॉशिंग मशीन on कर रहा हूं ।

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيْب ! صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

मुसल्मानों को नफ़्अ़ पहुंचाने की फ़ज़ीलत

दा'वते इस्लामी के इशाअ़ती इदारे **मक-त-बतुल मदीना** की मत़्बूआ़ 743 सफ़ह़ात पर मुश्तमिल किताब, **''जन्नत में ले जाने वाले आ'माल'' सफ़ह़ा** 534 और 535 पर से **दो फ़रामीने मुस्त़फ़ा** صَلَّى اللّٰهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَاٰلِهٖ وَسَلَّم : ﴿1﴾ **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ को वोह शख़्स ज़ियादा

पसन्द है जो लोगों को **ज़ियादा नफ़्अ़** पहुंचाता हो और **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ का सब से पसन्दीदा अ़मल वोह सुरूर या'नी ख़ुशी है जो तू किसी मुसल्मान के दिल में दाख़िल करे ख़्वाह तू उस की परेशानी दूर करे या उस का क़र्ज़ अदा करे या उस की भूक मिटाए और अपने किसी भाई की ह़ाजत रवाई के लिये चलना मुझे अपनी इस मस्जिद में एक महीना ए'तिकाफ़ करने से ज़ियादा पसन्द है और जिस ने अपना ग़ुस्सा पी लिया ह़ालां कि वोह उसे नाफ़िज़ करने पर क़ुदरत रखता था तो **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ क़ियामत के दिन उस के दिल को अपनी रिज़ा से भर देगा और जो शख़्स अपने भाई की ह़ाजत पूरी होने तक उस के साथ रहे **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ उस दिन उसे साबित क़-दमी अ़त़ा फ़रमाएगा जिस दिन क़दम फिसलते होंगे ।

(اَلتّرغیب وَالتّرھیب ج۳ ص ۲۶۵ رقم ۲۲)

﴿2﴾ ख़ुशी का फ़िरिश्ता

जो शख़्स किसी मोमिन के दिल में ख़ुशी दाख़िल करता है **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ उस **ख़ुशी से एक फ़िरिश्ता** पैदा फ़रमाता है जो **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ की इ़बादत और तौह़ीद में मसरूफ़ रहता है । जब वोह बन्दा अपनी **क़ब्र** में चला जाता है तो वोह फ़िरिश्ता उस के पास आ कर पूछता है : "क्या तू मुझे नहीं पहचानता ?" वोह कहता है कि "तू कौन है ?" तो वोह फ़िरिश्ता कहता है कि "मैं वोह ख़ुशी हूं जिसे तूने फ़ुलां के दिल में दाख़िल किया था आज मैं तेरी वह़शत में तुझे उन्स पहुंचाऊंगा और सुवालात के जवाबात में साबित क़दम रखूंगा और रोज़े क़ियामत तेरे लिये तेरे रब عَزَّوَجَلَّ की बारगाह में सिफ़ारिश करूंगा और तुझे जन्नत में तेरा ठिकाना दिखाऊंगा ।"

(اَیضاًص ۲۶۶ رقم ۲۳)

बिजली इस्ति'माल करने के 69 म-दनी फूल

मुसल्मानों की ख़ैर ख़्वाही और नफ़्अ़ रसानी की निय्यत से बिजली इस्ति'माल करने के **69 म-दनी फूल** पेश करता हूं, ख़ुद को **इसराफ़** और **तज़्यीए** माल (या'नी माल ज़ाएअ़ करने) से बचाने की **अच्छी अच्छी निय्यतों** के साथ पढ़ समझ कर इन के मुताबिक़ अ़मल कीजिये اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ दुन्या व आख़िरत की ढेरों भलाइयां ह़ासिल होंगी, اِنْ شَآءَاللّٰه عَزَّوَجَلَّ **बिजली** की बचत की ब-र-क़त से आप का बिल (BILL) भी कम आएगा।

रोशनी के आलात के 28 म-दनी फूल

बिजली कम खाने वाला इनर्जी सेवर

❁ रोशनी के लिये कम तुवानाई सर्फ़ करने वाले आलात इस्ति'माल कीजिये, 100 वॉट के बल्ब के मुक़ाबले में 20 वॉट का इनर्जी सेवर (Energy Saver) 80 फ़ीसद तक **बिजली** बचा सकता है बल्कि अगर जदीद LED लाइट्स इस्ति'माल की जाएं तो येह मज़ीद कम तुवानाई इस्ति'माल करेंगी।

❁

बर्क़ी आला	ता'दाद	वॉट	इस्ति'माल शुदा यूनिट	बचत
बल्ब	4	400	42	-
ट्यूब लाइट	4	160	18	57 %
इनर्जी सेवर	4	80	9	80 %

❁ अच्छी कम्पनी का ''इनर्जी सेवर'' लेना चाहिये ताकि ट्यूब लाइट

की त़रह़ आंखों को ठन्डा मह़सूस हो, ऐसा घटिया न लिया जाए जो कि आंखों को चुभे और नज़र के लिये मुज़िर साबित हो ।

❁ बिजली की वायरिंग हमेशा मे'यारी केबल से करवाइये ।

❁ दरो दीवार और छत पर हलका रंग जैसे सफ़ेद या ऑफ़ व्हाइट (Off white) वग़ैरा करवाइये, हलके रंग वाला कमरा कम बत्तियों में भी रोशन रहेगा ।

❁ अपने ज़ियादा तर काम दिन की रोशनी में मुकम्मल कर लीजिये, येही काम रात को करेंगे तो बत्ती जलानी पड़ेगी और बिजली ख़र्च होगी ।

❁ दिन के वक़्त दरवाज़ों और ख़िड़कियों से पर्दे (अगर हों तो) तो हटा दीजिये और बे पर्दगी का अन्देशा न हो या आप की नज़र किसी के घर में न पड़ती हो तो दरवाज़े और खिड़कियां भी खोल दीजिये ताकि सिह़्ह़त बख़्श ताज़ा हवा के साथ साथ जरासीम कुश रोशनी बल्कि तन्दुरुस्ती देने के लिये धूप भी आए और बत्ती के बिग़ैर काम भी चलता रहे ।

❁ बल्ब या ट्यूब लाइट दीवार पर नस्ब (फ़िट, Fit) करवाने के बजाए आंखों पर बराहे रास्त रोशनी न पड़े इस त़रह़ छत से लटका लीजिये, नीचे की त़रफ़ जितनी क़रीब होगी उतनी ज़ियादा रोशनी मिलेगी ।

❁ हर कमरे में उतने ही बल्ब रोशन कीजिये जितनी ज़रूरत है, अगर एक बल्ब से काम चल सकता है तो दूसरा न जलाया जाए ।

❁ आज कल ख़ूब सूरती के लिये मुख़्तलिफ़ बल्ब और ट्यूब लाइटें प्लास्टिक कवर में बन्द (Grill Light) लगाई जाती हैं, इस से बचना चाहिये कि बिजली ज़ियादा ख़र्च होने के बा वुजूद रोशनी कम मिलती है ।

❁ शॉपिंग मॉल्ज़ में बर्क़ी ज़ीना कम से कम चलाइये ।

फ़रमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَ اٰلِهٖ وَسَلَّم : जिस ने मुझ पर रोज़े जुमुआ़ दो सो बार दुरूदे पाक पढ़ा उस के दो सो साल के गुनाह मुआ़फ़ होंगे । (کنزالعمال)

❁ सन्अ़तों में कम बिजली ख़र्च करने वाली मशीनरी इस्ति'माल कीजिये ।

❁ कहां कितनी रोशनी की ज़रूरत है, इस का इन्हिसार मकान की तंगी व कुशा-दगी, कमरे के छोटे बड़े होने और लोगों की क़िल्लत व कसरत पर होता है, इलेक्ट्रीशन की सवाब दीद पर छोड़ने के बजाए अच्छी त़रह़ ग़ौर कर लीजिये कि आप को किस जगह कितना उजाला चाहिये फिर इस के मुत़ाबिक़ तरकीब बनाइये ।

❁ जिस जगह ज़ियादा रोशनी की ज़रूरत हो वहां दो या तीन के बजाए एक बड़ा बल्ब लगाना बेहतर है लेकिन साथ में एक छोटा बल्ब लगा लेना बेहतर है ताकि जब ज़ियादा रोशनी की ह़ाजत न हो तो उसी से काम चलाया जा सके ।

❁ सिर्फ़ उसी जगह रोशनी कीजिये जहां आप मुत़ा-लआ़ वग़ैरा कर रहे हैं ।

❁ रोशनी बढ़ाने के लिये माहाना कम अज़ कम एक बार हर बल्ब व ट्यूब लाइट से गर्द साफ़ कर लेना मुनासिब है ।

❁ कमरे से बाहर जाते हुए बल्ब व पंखा वग़ैरा बन्द (Off) करना न भूलिये ।

❁ घर के तमाम अफ़राद ख़ुसूसन म-दनी मुन्नों और म-दनी मुन्नियों की तरबिय्यत कीजिये कि वोह ग़ैर ज़रूरी बत्ती न जलाएं और ज़रूरत ख़त्म होने पर फ़ौरन बुझा दें । येही तरकीब दुकान, दफ़्तर और कारख़ाने वग़ैरा में भी बना लीजिये ।

❁ उ़मूमन इस्तिन्जा ख़ानों (Toilets) की बत्तियां बिला ज़रूरत जलती रहती हैं, हर शख़्स को चाहिये कि बा'दे फ़राग़त ख़ुद ही बुझा दिया करे ।

❁ बा'ज़ इस्लामी भाई सरे शाम ही घर या दुकान की तमाम बत्तियां

रोशन कर देते हैं, अंधेरा महसूस होने के बा'द सिर्फ़ ह़स्बे ह़ाजत बल्ब रोशन कीजिये ।

❁ अगर मजबूरी न हो तो सोने से पहले कमरे का बल्ब बन्द कर दीजिये या फिर ज़रूरतन ज़ीरो का बल्ब इस्ति'माल कीजिये, नीज़ घर की तमाम ग़ैर ज़रूरी बत्तियां बुझाना न भूलिये ।

रात भर अंधेरे में पड़ा रहना !

❁ मकान, रात अंधेरे में डूबा हुवा रखना अहले ख़ाना और ख़ुसूसन बच्चों के लिये बाइ़से वह़शत है, इस में चोरों नीज़ ह़शरातुल अर्ज़ (कीड़े मकोड़ों, चूहों, छिप-कलियों वग़ैरा) के लिये सहूलत है। लालबेग और बा'ज़ त़रह़ के कीड़े उजाले में कम निकलते हैं । साफ़ सफ़ाई वाली पुख़्ता इमारतों में कीड़े मकोड़ों का सिल्सिला कम होता है । बहर ह़ाल रात जब घर में लोग मौजूद हों तो कुछ न कुछ रोशनी होनी मुनासिब है ।

❁ मग़रिब के वक़्त जब कि अभी काफ़ी उजाला बाक़ी होता है अक्सर लोग घरों की बहुत सारी बत्तियां जला देते हैं, ऐसी जल्द बाज़ी न कीजिये सिर्फ़ ज़रूरत के मुत़ाबिक़ रोशनी कीजिये ।

❁ राहगीरों की सहूलत के लिये बा'ज़ ह़ज़रात अपने घर के बाहर सारी रात बल्ब रोशन रखते हैं येह कारे सवाब है मगर सुब्ह़ का उजाला फैलते ही बत्ती बन्द कर दीजिये ।

❁ कोठियों के लॉन व गेराज में किसी भी वक़्त ग़ैर ज़रूरी बत्तियां रोशन न रहें इस का ख़याल रखिये ।

❁ आ-मदो रफ़्त न होने के बा वुजूद बा'ज़ मकानात की सीढ़ियों की बत्ती सारी रात जलती रहती है, इस का ह़ल येह है कि "टू वे" की तरकीब बना लीजिये या'नी एक बटन सीढ़ी की इब्तिदा पर और एक

इन्तिहा (या'नी ख़त्म) पर इस त़रह़ लगवाइये कि दोनों त़रफ़ से बत्ती जलाई बुझाई जा सके।

मस्जिद में बत्ती पंखा चलाने के अहम मसाइल

❁ मस्जिद में भी बिला ज़रूरत बल्ब रोशन मत कीजिये और ज़रूरत पूरी होते ही बुझा दीजिये, मस्जिद के ख़ादिमीन को इस सिल्सिले में ज़ियादा एह़तियात़ की ज़रूरत है क्यूं कि मस्जिद का बिल चन्दे की रक़म से दिया जाता है जिस का ह़िसाब ज़ियादा सख़्त है। बा'ज़ मसाजिद में अज़ान का वक़्त होते ही तमाम बत्तियां रोशन कर दी जातीं और सारे पंखे चला दिये जाते हैं जिन की हवा लेने वाला कोई नहीं होता क्यूं कि नमाज़ी ह़ज़रात उ़मूमन जमाअ़त से चन्द मिनट पहले ही पहुंचते हैं। मेरी म-दनी इल्तिजा है कि जैसे जैसे नमाज़ी आते जाएं ख़ुद्दाम ह़स्बे ज़रूरत बत्तियां और पंखे ऑन करते जाएं और जूं जूं नमाज़ी रुख़्सत हों ऑफ़ करते जाएं और रात में सिर्फ़ उ़र्फ़ (या'नी वहां के मा'मूल) के मुत़ाबिक़ रोशनी रखें। **मेरे आक़ा** आ'ला ह़ज़रत इमामे अहले सुन्नत मुजद्दिदे दीनो मिल्लत मौलाना शाह इमाम अह़मद रज़ा ख़ान عَلَيْهِ رَحْمَةُ الرَّحْمٰن फ़तावा र-ज़विय्या जिल्द 9 **सफ़ह़ा** 504 पर लिखते हैं : मस्जिद में रोशनी ख़िश्त व गिल (या'नी ईंट, मिट्टी) की ज़ात के लिये नहीं होती बल्कि नमाज़ियों के वासिते, बल्कि नमाज़ में भी अस्ल नज़र सिर्फ़ फ़राइज़ पर मक़्सूद है कि असा-लतन बिनाए मस्जिद (या'नी बज़ाते ख़ुद मस्जिद बनाई जाना) इन्ही (या'नी फ़राइज़) के लिये है। व लिहाज़ा जहां तहज्जुद वग़ैरा नवाफ़िल ख़्वां (या'नी नफ़्ल पढ़ने वाले) व ज़ाकिरीन (या'नी **ज़िक्रुल्लाह** करने वाले) शब भर मस्जिद में रहते या रात के सब ह़िस्सों में उन की आ-मदो रफ़्त मस्जिद में रहती हो और इस वजह से वहां शब भर रोशनी रखने की आ़दत हो या वाक़िफ़ (या'नी वक़्फ़ करने वाले) ने ख़ुद इस की तस्रीह़ कर दी

(या'नी वाज़ेह़ तौ़र पर कह दिया) हो, ऐसी जगह के इ़लावा बाक़ी तमाम मसाजिद में तिहाई रात के बा'द रोशनी गुल कर (या'नी बत्ती बुझा) देने का हुक्म है कि अब (जलती रखना) इसराफ़ व **तज़्यीए़** माल (या'नी माल का ज़ाएअ़ करना) है। (फ़तावा र-ज़विय्या मुख़र्रजा, जि. 9, स. 504)

नमाज़ियों की ग़ैर मौजू-दगी में बत्ती जलाने की मुमा-न-अ़त का फ़तवा

फ़तावा र-ज़विय्या जिल्द 23 **सफ़ह़ा** 374 ता 375 से एक सुवाल जवाब मुला-ह़ज़ा हो : **सुवाल :** ज़ैद फ़ज्र को बा'द पांच बजे के मस्जिद में चराग़ **ब ग़-रज़े** रौनक़ो ज़ीनते मस्जिद, न कि **ब ग़-रज़े** तिलावत और मुत़ा-ल-अ़ए कुतुबे दीनिया जला देता है ह़ालां कि रोशनी की उस वक़्त ज़रूरत नहीं होती है क्यूं कि नमाज़ियों की आमद पौने छ बजे और जमाअ़त बा'द छ बजे तुलूए़ रोशनी सुब्हे़ सादिक़ में होती है और इ़लावा इस के सरकारी लालटेन की रोशनी तीनों दरों में मस्जिद के और सेह़न में काफ़ी तौ़र से होती है अ़म्र जो **मोह़तमिमे** क़दीम मस्जिद का है और सेंकड़ों रुपिया अपनी कोशिशे मौफ़ूरा (वाफ़िर व कसीर कोशिश) से फ़राहम कर के मस्जिद की तरमीम व दीगर अख़्राजात में लगाता रहा है बल्कि अब भी मरम्मत करा रहा है, ज़ैद को इस वक़्त के **फ़ुज़ूल बिला ज़रूरत चराग़ जलाने** से मन्अ़ करता है और कहता है कि मस्जिद के माल में इसराफ़ न चाहिये मगर ज़ैद नहीं मानता पस ऐसी सूरत में चराग़ जलाना चाहिये या नहीं ? **अल जवाब : जब कि उस वक़्त मस्जिद में कोई नहीं आता चराग़ जलाना फ़ुज़ूल व मम्नूअ़** है ख़ुसूसन जब कि (गली में सरकारी) लालटेन की रोशनी (Street Light जल रही) होती है। وَاللّٰہُ تَعَالٰی اَعلم۔

जश्ने विलादत का चराग़ां

बड़ी रातों और जश्ने विलादत के मौक़अ़ पर अच्छी

अच्छी निय्यतों के साथ चराग़ां करना जाइज़ व कारे सवाब है। दा'वते इस्लामी के इशाअ़ती इदारे **मक-त-बतुल मदीना** की मत़्बूआ़ 561 सफ़ह़ात पर मुश्तमिल किताब, **"मल्फ़ूज़ाते आ'ला ह़ज़रत" सफ़ह़ा** 174 पर है : **अ़र्ज़ :** मीलाद शरीफ़ में झाड़ (या'नी पन्ज शाख़ा मश्अ़ल), फ़ानूस, फ़ुरूश वग़ैरा से ज़ैबो ज़ीनत इसराफ़ (या'नी फ़ुज़ूल ख़र्ची) है या नहीं ? **इर्शाद :** उ-लमा फ़रमाते हैं : **لَاخَيْرَ فِى الْاِسْرَافِ وَلَا اِسْرَافَ فِى الْخَيْر** (या'नी इसराफ़ में कोई भलाई नहीं और भलाई के कामों में ख़र्च करने में कोई इसराफ़ नहीं) जिस शै से ता'ज़ीमे ज़िक्र शरीफ़ मक़्सूद हो, हरगिज़ मम्नूअ़ नहीं हो सकती।

एक हज़ार शम्एं

ह़ुज्जतुल इस्लाम ह़ज़रते सय्यिदुना इमाम अबू ह़ामिद मुह़म्मद बिन मुह़म्मद बिन मुह़म्मद ग़ज़ाली عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللهِ الْوَالِى ने **एह़्याउल उ़लूम** शरीफ़ में सय्यिदी अबू अ़ली रूज़बारी عَلَيْهِ رَحْمَةُ اللهِ الْبَارِى से नक़्ल किया कि एक बन्दए सालेह़ (या'नी नेक शख़्स) ने मजलिसे ज़िक्र शरीफ़ तरतीब दी और उस में **एक हज़ार शम्एं** रोशन कीं। एक शख़्स ज़ाहिर बीन (या'नी सिर्फ़ ज़ाहिर पर नज़र रखने वाले) पहुंचे और येह कैफ़िय्यत देख कर वापस जाने लगे। बानिये मजलिस (जो कि ख़ासाने ख़ुदा से थे उन्हों) ने हाथ पकड़ा और अन्दर ले जा कर फ़रमाया कि जो शम्अ़ मैं ने ग़ैरे ख़ुदा के लिये रोशन की हो वोह बुझा दीजिये। कोशिशें की जाती थीं और कोई शम्अ़ ठन्डी न होती। **(اِحیاءُ الْعُلوم ج ۲ ص ۲۶ مُلَخَّصاً)**

लहराओ सब्ज़ परचम ऐ आक़ा के आ़शिक़ो !
घर घर करो चराग़ां कि सरकार आ गए

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب ! صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

कुन्डा लगाना कैसा ?

❁ जश्ने विलादत की मजलिसों, ना'त की मह़फ़िलों, शादी की तक़रीबों, दुकानों, कारख़ानों वग़ैरा वग़ैरा हर जगह सिर्फ़ क़ानूनी त़रीक़े पर बिजली इस्ति'माल कीजिये । **कुन्डे** वग़ैरा के ज़रीए बिजली चोरी करना ह़राम और जहन्नम में ले जाने वाला काम है । जिस ने माज़ी में ऐसा किया है वोह तौबा भी करे और जितनी बिजली चोरी की है ह़िसाब लगा कर मु-तअ़ल्लिक़ा इदारे को उतना बिल (BILL) अदा करे ।

मुख़्तलिफ़ बर्क़ी आलात के बारे में 14 म-दनी फूल कम्पयूटर, टेप रेकॉर्डर, मोबाइल चार्जर वग़ैरा

❁ कम्पयूटर, मॉनीटर (Monitor), कॉपियर, प्रिन्टर, टेप रेकॉर्डर, मोबाइल चार्जर वग़ैरा जब इस्ति'माल में न हों तो बन्द कर दीजिये। स्टेन्ड बाय (Stand by) रखने की सूरत में भी येह बिजली ख़र्च करते हैं। बिजली बचाने का बेहतरीन त़रीक़ा येह है कि बर्क़ी आलात जिस वक़्त इस्ति'माल में न हों उन्हें "पावर साकिट" से निकाल दिया जाए, ताकि नुक्ते के बराबर छोटा सा बल्ब रोशन रहता है वोह भी बन्द हो जाए इस त़रह़ करने में बिजली की बचत के साथ साथ आप के बर्क़ी आलात की भी ह़िफ़ाज़त है ।

❁ मॉनीटर की जगह LCD या LED इस्ति'माल करने से बिजली कम ख़र्च होती है ।

म-दनी चेनल उसी सूरत में चलाइये जब कोई देखने वाला हो

❁ गुनाहों भरे चेनल्ज़ के ना जाइज़ सिल्सिले देखने से अपनी जान छुड़ा कर सच्ची तौबा कर लीजिये और सिर्फ़ो सिर्फ़ 100 फ़ीसद शर-ई **म-दनी चेनल** देखने का मा'मूल बनाइये, मगर ऐसा न हो कि **म-दनी चेनल** लगाने के बा'द आप बातचीत वग़ैरा में लग कर ग़ाफ़िल हो जाएं

या घर भर में यहां वहां घूमते रहें, अगर कोई एक फ़र्द भी फ़ाएदा न उठा रहा होगा तो बिजली बेकार ख़र्च होती रहेगी और जानबूझ कर ऐसा करने की सूरत में बा'ज़ सूरतों में आप **तज़्यीए** माल (या'नी माल ज़ाएअ़ करने) के गुनाह में गिरिफ़्तार और अ़ज़ाबे नार के हक़दार हो सकते हैं।

❁ एग्ज़ॉस्ट फ़ेन (Exhaust Fan) ख़्वाह मत़्बख़ (किचन, Kitchen) में हो या कमरे में या कि इस्तिन्जा ख़ाने में ज़रूरत पूरी हो जाने के बा'द बन्द कर दीजिये।

❁ पानी का बे जा इस्ति'माल न कीजिये, मोटर ज़ियादा चलेगी तो बिजली भी ज़ियादा ख़र्च होगी।

❁ बैठने या सोने की तरकीब यूं बनाइये कि कम पंखों में ज़ियादा अफ़राद मुस्तफ़ीद हो सकें।

एक पंखे से कई अफ़राद इस्तिफ़ादा कर सकते हैं

❁ मदारिस व जामिआ़त के असातिज़ा व त़-लबा नीज़ दा'वते इस्लामी के सुन्नतों की तरबिय्यत के म-दनी क़ाफ़िलों के मुसाफ़िर मसाजिद में बिजली के इस्ति'माल में ख़ूब मोहतात़ रहें कि चन्दे का मुआ़-मला बड़ा सख़्त है। नाज़िमीन व अमीरे क़ाफ़िला ख़ास कड़ी नज़र रखा करें ऐसा न हो कि फ़ी पंखा एक इस्लामी भाई सोया पड़ा हो। घर के कमरे में जब एक पंखे के नीचे कई अफ़राद सो सकते हैं तो आख़िर मसाजिद व मदारिस में क्यूं नहीं सो सकते ?

❁ इलेक्ट्रिक ओवन (Oven) 600 ता 1500 वॉट्स का होता है, इस में काफ़ी बिजली ख़र्च होती है बिला सख़्त ज़रूरत इस्ति'माल न कीजिये।

U.P.S. बहुत ज़ियादा बिजली खाता है

❁ यूपीएस (U.P.S) का इस्ति'माल कम से कम करना चाहिये क्यूं कि

इस की ''बेटरी'' रीचार्ज (Recharge) करने में 300 ता 400 वॉट बिजली ख़र्च होती है, लिहाज़ा दिन के वक़्त UPS बन्द रख कर काफ़ी सारी बिजली की बचत की जा सकती है ।

❁ सर्दियों में इस्ति'माल किया जाने वाला बिजली का हीटर (Heater) औसत़न 1800 वॉट्स का होता है, इस में बे तह़ाशा बिजली ख़र्च होती है । कम से कम इस्ति'माल कीजिये ।

इस्त्री बे दर्दी से बिजली खाती है

❁ इस्त्री 800 ता 1200 वॉट्स की (या'नी 10 ता 15 छत के पंखों के बराबर) होती है, निहायत बे दर्दी से बिजली खाती और ख़ूब बिल BILL बढ़ाती है, सख़्त ह़ाजत में ही इस्ति'माल कीजिये । अगर मुम्किन हो तो बिग़ैर इस्त्री के कपड़े पहन लीजिये, अनमोल वक़्त के साथ साथ पैसों की भी ठीकठाक बचत होगी ।

❁ लिफ़्ट (Lift) अच्छी ख़ासी बिजली खाती है, इसे कम से कम इस्ति'माल कीजिये, सीढ़ियों के ज़रीए आना जाना एक वरज़िश है और बदन के लिये त़िब्बन मुफ़ीद है ।

❁ घर से बाहर जाने से पहले बिजली का हर स्विच (SWITCH) चेक कर लीजिये कि कहीं कोई बल्ब, जल और पंखा वग़ैरा चल तो नहीं रहा !

❁ बा'ज़ लोगों की आ़दत होती है कि बाहर जाएं तब भी ख़ाली घर का बल्ब ख़्वाह म ख़्वाह रोशन रखते हैं, बिला ह़ाजत ऐसा न करें, हां इस लिये रोशन रखा कि वापसी में रोशनी मिले या चोर वग़ैरा से ह़िफ़ाज़त रहे कि समझें कि घर में कोई है तो ह़रज नहीं ।

फ़्रीज व डीप फ़्रीज़र के बारे में 13 म-दनी फूल

❁ फ़्रीज व डीप फ़्रीज़र (18 क्यूबेक फ़ुट (FOOT) के औसत़न 500

वोल्ट्स के होते हैं येह) आप के घर में हों तो तक़रीबन 25 फ़ीसद बिजली इस्ति'माल करते हैं ।

❁ बा'ज़ अवक़ात अपनी ज़रूरत से बड़ा फ़्रीज ले लिया जाता है, याद रखिये ! ख़ाली फ़्रीज ज़ियादा बिजली खींचता है, अगर रखने को ज़ियादा चीज़ें न हों तो पानी ही भर कर रख दीजिये और ठन्डा होने पर सवाब की निय्यत से मुसल्मानों को पिला दीजिये ।

❁ फ़्रीज में एक आला थर्मो स्टेट (Thermostat) लगा होता है जिस से इस की ठन्डक (Cooling) को कन्ट्रोल किया जा सकता है, ज़ियादा ठन्डक पर ज़ियादा बिजली सर्फ़ होती है, इस लिये फ़्रीज की ठन्डक को मौसिम और ज़रूरत के मुत़ाबिक़ रखिये ।

❁ फ़्रीज या डीप फ़्रीज़र को दीवार से लगा कर न रखिये पिछले ह़िस्से की त़रफ़ हवा का रास्ता खुला रहे ।

❁ फ़्रीज ऐसी जगह न रखिये जहां धूप आती हो बल्कि कोशिश कर के इसे घर में सब से ठन्डी जगह पर रखिये ।

❁ फ़्रीज का दरवाज़ा बार बार खोलने से इस की ठन्डक में कमी आती और बिजली ज़ियादा ख़र्च होती है ।

❁ ज़ियादा देर दरवाज़ा खुला रखने से भी बिजली ज़ियादा ख़र्च होती है, लिहाज़ा क्या क्या निकालना है येह ज़ेह्न बनाने के बा'द ही फ़्रीज खोलिये और चीज़ निकालने के बा'द दरवाज़ा अच्छी त़रह़ बन्द कर दीजिये ।

❁ बार बार फ़्रीज न खुले इस के लिये पानी के कूलर का इस्ति'माल कीजिये ।

❁ फ़्रीज में गर्मा गर्म ग़िज़ा वग़ैरा रखने से अन्दर का द-र-जए ह़रारत बढ़ जाता और बिजली ज़ियादा ख़र्च होती है ।

❁ रेफ़्रीजरेटर के पीछे नन्हे मुन्ने पाइपों की एक जाली होती है जिस पर मिट्टी और गर्द पड़ती रहती है, इस से फ़्रीज की कारकर्दगी पर असर पड़ता है, हफ़्ते पन्दरह दिन में ''पावर साकिट'' से निकाल कर इसे साफ़ कर लेना मुफ़ीद है।

❁ वोह फ़्रीज और फ़्रीज़र जो कि ख़ुद बर्फ़ पिघला देने की सलाहिय्यत रखते हैं जिन्हें ''नो फ़्रॉस्ट'' (No Frost) कहा जाता है वोह निस्बतन ज़ियादा बिजली खाते हैं।

फ़्रीज से ज़ाइद बर्फ़ निकालने का त़रीक़ा

❁ अपने फ़्रीज और फ़्रीज़र में एक चौथाई (1/4) इन्च से ज़ियादा बर्फ़ न जमने दीजिये, बर्फ़ उतारने के लिये थोड़ी देर बन्द (OFF) कर के इस का दरवाज़ा खोल दीजिये और हाथों से साफ़ कीजिये, ह़स्बे ज़रूरत प्लास्टिक का **चम्मच** इस्ति'माल कीजिये, लोहे की **चम्मच** या छुरी चाकू के इस्ति'माल से फ़्रीज ख़राब हो सकता है।

❁ अगर चन्द दिनों के लिये घर से बाहर जाना हो तो फ़्रीज ख़ाली कर के बन्द कर दीजिये, अगर इस में ज़रूरी अश्या मौजूद हों तो कम से कम कूलिंग (Cooling) पर तरकीब बना दीजिये।

वॉशिंग मशीन के बारे में 3 म-दनी फूल

❁ वॉशिंग मशीन (Washing Machine) आप के इस्ति'माल की तक़रीबन 20 फ़ीसद बिजली इस्ति'माल करती है।

❁ वॉशिंग मशीन पर कपड़े धोने से बिजली के साथ कई लीटर पानी भी इस्ति'माल होता है, अगर ज़ियादा कपड़े धोने हों तो ही इस्ति'माल कीजिये, एक या दो कपड़े हों तो हाथों से धो लीजिये।

❁ कई घरों में वॉशिंग मशीन के साथ कपड़े सुखाने वाला ड्रायर (Dryer) भी इस्ति'माल होता है जिस से बिजली का ख़र्च बढ़ जाता है, अगर खुली जगह और धूप **मुयस्सर** हो तो कपड़े बिग़ैर ड्रायर के सुखा लीजिये ।

एयर कन्डीश्नर के बारे में 8 म-दनी फूल

ख़ुश ज़ाएक़ा फ़ालूदा

अमीरुल मुअमिनीन ह़ज़रते मौलाए काएनात, **अ़लिय्युल मुर्तज़ा** शेरे ख़ुदा كَرَّمَ اللّٰهُ تَعَالٰى وَجْهَهُ الْكَرِيْم की ख़िदमते बा ब-र-कत में एक बार **ख़ुश ज़ाएक़ा फ़ालूदा** पेश किया गया । फ़रमाया : इस की ख़ुश्बू, रंग और ज़ाएक़ा कितना अच्छा है ! मैं येह बात पसन्द नहीं करता कि मेरा नफ़्स ऐसी चीज़ का आ़दी हो जाएगा जिस की इसे आ़दत नहीं । (حلیۃ الاولیاء ج ۱ ص ۱۲۳) **अल्लाह** عَزَّوَجَلَّ **की उन पर रह़मत हो और उन के सदक़े हमारी बे ह़िसाब मग़्फ़िरत हो ।**

اٰمِين بِجَاهِ النَّبِيِّ الْاَمِين صَلَّى اللهُ تعالٰى عليه واٰله وسلَّم

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيب ! صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلٰى مُحَمَّد

A. C. की आ़दत निकालिये, बिजली बचाइये

मीठे मीठे इस्लामी भाइयो ! अमीरुल मुअमिनीन ह़ज़रते मौलाए काएनात, **अ़लिय्युल मुर्तज़ा** शेरे ख़ुदा كَرَّمَ اللّٰهُ تَعَالٰى وَجْهَهُ الْكَرِيْم की नफ़्स कुशी मरह़बा ! काश ! हम भी सख़्त गर्मी में नफ़्स के मुत़ा-लबे पर आइस्क्रीम या फ़ालूदा खाते और ठन्डे मश्रूबात ग़ट-ग़टाते वक़्त अमीरुल मुअमिनीन ह़ज़रते मौलाए काएनात كَرَّمَ اللّٰهُ تَعَالٰى وَجْهَهُ الْكَرِيْم की इस ईमान अफ़्रोज़ ह़िकायत को भी कभी कभी याद कर लिया करें ! याद रखिये ! नफ़्स को जिस क़दर आसाइशों की आ़दत डाली जाए वोह उसी क़दर ढीट और ऐ़श परस्त हो जाता है । देखिये ! जब पंखा ईजाद नहीं हुवा था उस वक़्त भी लोग

गुज़ारा कर ही लेते थे और आज बहुत सों को एयर कन्डीशन्ड रूम में बैठने और सोने की आ़दत पड़ गई है, उन को अब गर्मियों में A.C. के बिग़ैर नींद आना दुश्वार होता होगा, जोड़ों के दर्द वग़ैरा में वोह अलग से मुब्तला रहते होंगे। आह ! दुन्या में ने'मत जितनी उ़म्दा होगी बरोज़े क़ियामत उस का हि़साब भी उतना ही ज़ियादा होगा। इस लिये बदलते मौसिमों के गर्म व सर्द अ-सरात को कभी कभी बरदाश्त भी कर लिया कीजिये ! अलबत्ता जो A.C. इस्ति'माल करते हैं, वोह गुनहगार नहीं, A.C. का इस्ति'माल चूंकि जाइज़ है लिहाज़ा इस के भी म-दनी फूल क़बूल फ़रमाइये :

۞ डेढ़ टन का एक ए.सी (Air conditioner) डबल बारह (24) पंखों से ज़ियादा बिजली इस्ति'माल करता है।

۞ A.C. साए में रखिये, खुली धूप में रखने से पांच फ़ीसद बिजली ज़ियादा ख़र्च होगी।

۞ जब तक पंखे से गुज़ारा हो सकता हो, ए.सी (A.C.) न चलाइये।

۞ अपने ए.सी का थर्मो स्टेट (Thermostat) 16 के बजाए 26 डिग्री सेन्टी ग्रेड पर मुक़र्रर (Set) कीजिये, इस से आप के माहाना बिल में 30 फ़ीसद कमी हो सकती है।

۞ जब A.C. चलाएं तो उसे शुरूअ़ ही से कम ठन्डक (कूलिंग, Cooling) पर सेट न करें कि येह आहिस्ता आहिस्ता ठन्डा करेगा और बिजली ज़ियादा ख़र्च होगी।

۞ बार बार कमरे का दरवाज़ा खुलने से भी A.C. पर बोझ बढ़ता है और बिजली ज़ियादा ख़र्च होती है।

۞ साथ में छत का पंखा इस्ति'माल करना मुफ़ीद है।

❁ हर माह इस का फ़िल्टर (Filter) साफ़ करना मुफ़ीद है।

घरेलू बर्क़ी आलात की औसत तुवानाई (वॉट्स में)

बावर्ची ख़ाने के बर्क़ी आलात

लोड टाइप	औसत वॉट्स
टोस्टर	800-1500
ग्रेन्डर/ मिक्सचर	300
कॉफ़ी/ टी मेकर	800-1000
माईक्रो वेव ओवन	600-1500

घरेलू बर्क़ी आलात

वॉशिंग मशीन	400-700
इस्त्री	800-1200

टीवी (21 ")

सीआरटी	70-80
एलसीडी	20-25

टीवी (25 ")

सीआरटी	90-100
एलसीडी	26-28

डीप फ़्रीज़र (18 क्यूबेक फुट)	500
रेफ़्रीजरेटर (18 क्यूबेक फुट)	500

फ़िक्सचर्ज़ एन्ड फ़िटिंग्ज़

लोड टाइप	औसत़ वॉट्स
रोशन बल्ब	40-200
इनर्जी सेवर	7-80

पंखा

छत का पंखा	80
ब्रेकट पंखा	55
पेड स्टिल पंखा	155

ए.सी (स्पलिट 1.5 टन)	2000
ए.सी (स्पलिट 1 टन)	1500
हीटर	1800

मुन्द-र-जए बाला आ'दाद व शुमार औसत़ (Average) ख़र्च के त़ौर पर दिये गए हैं और मुख़्तलिफ़ ब्रान्ड्ज़ के लिये जुदा जुदा हो सकते हैं ।

फ़रमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَ اٰلِهٖ وَسَلَّم : जिस ने मुझ पर दस मरतबा सुब्ह और दस मरतबा शाम दुरूदे पाक पढ़ा उसे कियामत के दिन मेरी शफ़ाअत मिलेगी। (مجمع الزوائد)

गेस बचाने के 3 म-दनी फूल

❁ सर्दी से बचने के लिये हीटर की बजाए गर्म कपड़े इस्ति'माल कीजिये।

❁ हो सके तो इन्सटन्ट वॉटर गीज़र इस्ति'माल कीजिये कि येह सिर्फ़ इस्ति'माल के वक़्त ही गेस ख़र्च करता है।

❁ गीज़र में कोनीकल बीफ़ल डालिये और 25 फ़ीसद तक गेस बचाइये। कोनीकल बीफ़ल के बिग़ैर गीज़र ज़ियादा गेस इस्ति'माल करता है और गेस बिल में इज़ाफ़ा करता है।

सर्दियों में गेस का बिल ज़ियादा क्यूं[1] ?

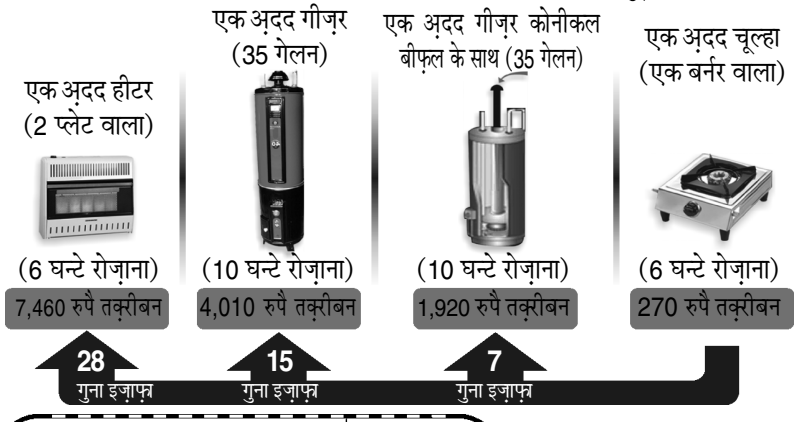

येह रिसाला पढ़ कर दूसरे को दे दीजिये

शादी ग़मी की तक़रीबात, इज्तिमाआ़त, आ'रास और जुलूसे मीलाद वग़ैरा में **मक-त-बतुल मदीना** के शाएअ़ कर्दा रसाइल और म-दनी फूलों पर मुश्तमिल पेम्फ़लेट तक़्सीम कर के सवाब कमाइये, गाहकों को ब निय्यते सवाब तोहफ़े में देने के लिये अपनी दुकानों पर भी रसाइल रखने का मा'मूल बनाइये, अख़्बार फ़रोशों या बच्चों के ज़रीए अपने महल्ले के घर घर में माहाना कम अज़ कम एक अ़दद सुन्नतों भरा रिसाला या म-दनी फूलों का पेम्फ़लेट पहुंचा कर नेकी की दा'वत की धूमें मचाइये और ख़ूब सवाब कमाइये।

तालिबे ग़मे मदीना
व बक़ीअ़ व मग़्फ़िरत व
बे हिसाब जन्नतुल
फ़िरदौस में आक़ा
का पड़ोस

8 ज़ुल हिज्जतिल हराम 1433 सि.हि.
25-10-2012

1 : येह मा'लूमात सूई नार्दरन गेस पाइप लाइन्ज़ लिमीटेड, मर्कज़ुल औलिया लाहोर एप्रिल 2012 ई. के एक बिल से ली गई हैं।

फ़रमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللهُ تَعَالٰى عَلَيْهِ وَ اٰلِهٖ وَسَلَّم : जिस के पास मेरा ज़िक्र हुवा और उस ने मुझ पर दुरूद शरीफ़ न पढ़ा उस ने जफ़ा की । (عبدالرزاق)

फ़ेहरिस

उ़न्वान	सफ़हा	उ़न्वान	सफ़हा
कुछ इस रिसाले के बारे में......	A-2	एक हज़ार शम्एं	15
दुरूद शरीफ़ की फ़ज़ीलत	1	कुन्डा लगाना कैसा ?	16
वलिय्युल्लाह की दा'वत की हिकायत	1	मुख़्तलिफ़ बर्क़ी आलात के बारे में 14 म-दनी फूल	16
हर ने'मत का हिसाब होगा	3	कम्प्यूटर, टेप रेकॉर्डर, मोबाइल चार्जर वग़ैरा	16
बिजली भी एक ने'मत है	3	म-दनी चेनल उसी सूरत में चलाइये जब कोई देखने वाला हो	16
बिजली फ़ुज़ूल मत ख़र्च कीजिये	4	एक पंखे से कई अफ़राद इस्तिफ़ादा कर सकते हैं	17
इसराफ़ करने वाले अल्लाह عَزَّوَجَلَّ को ना पसन्द हैं	5	U.P.S. बहुत ज़ियादा बिजली खाता है	17
इसराफ़ की तफ़्सील	5	इस्त्री बे दर्दी से बिजली खाती है	18
इसराफ़ किसे कहते हैं ?	5	फ़्रीज व डीप फ़्रीज़र के बारे में 13 म-दनी फूल	18
बिजली इस्ति'माल करते वक़्त मौक़अ़ की मुना-सबत से अच्छी निय्यतें कर लीजिये	6	फ़्रीज से ज़ाइद बर्फ़ निकालने का त़रीक़ा	20
		वॉशिंग मशीन के बारे में 3 म-दनी फूल	20
मुसल्मानों को नफ़्अ़ पहुंचाने की फ़ज़ीलत	7	एयर कन्डीश्नर के बारे में 8 म-दनी फूल	21
﴾2﴿ ख़ुशी का फ़िरिश्ता	8	ख़ुश ज़ाएक़ा फ़ालूदा	21
बिजली इस्ति'माल करने के 69 म-दनी फूल	9	A.C. की आ़दत निकालिये, बिजली बचाइये	21
रोशनी के आलात के 28 म-दनी फूल	9	घरेलू बर्क़ी आलात की औसत़ तुवानाई (वॉट्स में)	23
बिजली कम खाने वाला इनर्जी सेवर	9	बावर्ची ख़ाने के बर्क़ी आलात	23
रात भर अंधेरे में पड़ा रहना !	12	घरेलू बर्क़ी आलात	23
मस्जिद में बत्ती पंखा चलाने के अहम मसाइल	13	**फ़िक्सचर्ज़ एन्ड फ़िटिंग्ज़**	24
नमाज़ियों की ग़ैर मौजू-दगी में बत्ती जलाने की मुमा-न-अ़त का फ़तवा	14	गेस बचाने के 3 म-दनी फूल	25
जश्ने विलादत का चरागां	14		

ماخذ و مراجع

مطبوعہ	کتاب	مطبوعہ	کتاب
رضا فاؤنڈیشن مرکز الاولیاء لاہور	فتاویٰ رضویہ	مکتبۃ المدینہ باب المدینہ کراچی	قرانِ مجید
دار صادر بیروت	احیاء العلوم	پیر بھائی کمپنی مرکز الاولیاء لاہور	نور العرفان
انتشارات گنجینہ تہران	تذکرۃ الاولیاء	دار الکتب العلمیۃ بیروت	معجم الاوسط
دار الکتب العلمیۃ بیروت	منہاج العابدین	دار الکتب العلمیۃ بیروت	حلیۃ الاولیاء
مکتبۃ المدینہ باب المدینہ کراچی	ملفوظاتِ اعلیٰ حضرت	دار الکتب العلمیۃ بیروت	الترغیب والترہیب

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِیْنَ وَالصَّلٰوةُ وَالسَّلَامُ عَلٰی سَیِّدِ الْمُرْسَلِیْنَ اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّیْطٰنِ الرَّجِیْمِ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِیْمِ

सुन्नत की बहारें

اَلْحَمْدُ لِلّٰه عَزَّوَجَلَّ तब्लीगे कुरआनो सुन्नत की आलमगीर गैर सियासी तहरीक **दा'वते इस्लामी** के महके महके म-दनी माहोल में ब कसरत सुन्नतें सीखी और सिखाई जाती हैं, हर जुमा'रात इशा की नमाज़ के बा'द आप के शहर में होने वाले दा'वते इस्लामी के हफ़्तावार सुन्नतों भरे इज्तिमाअ़ में रिज़ाए इलाही के लिये अच्छी अच्छी निय्यतों के साथ सारी रात गुज़ारने की म-दनी इल्तिजा है। आशिक़ाने रसूल के **म-दनी क़ाफ़िलों** में ब निय्यते सवाब सुन्नतों की तरबिय्यत के लिये सफ़र और रोज़ाना फ़िक्रे मदीना के ज़रीए **म-दनी इन्आमात** का रिसाला पुर कर के हर म-दनी माह के इब्तिदाई दस दिन के अन्दर अन्दर अपने यहां के ज़िम्मेदार को जम्अ़ करवाने का मा'मूल बना लीजिये, اِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ इस की ब-र-कत से पाबन्दे सुन्नत बनने, गुनाहों से नफ़रत करने और ईमान की हिफ़ाज़त के लिये कुढ़ने का ज़ेहन बनेगा।

हर इस्लामी भाई अपना येह ज़ेहन बनाए कि "**मुझे अपनी और सारी दुन्या के लोगों की इस्लाह की कोशिश करनी है** اِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ" अपनी इस्लाह की कोशिश के लिये "म-दनी इन्आमात" पर अ़मल और सारी दुन्या के लोगों की इस्लाह की कोशिश के लिये "म-दनी क़ाफ़िलों" में सफ़र करना है। اِنْ شَآءَ اللّٰه عَزَّوَجَلَّ

मक-त-बतुल मदीना की शाखें

मुम्बई : 19, 20, मुहम्मद अली रोड, मांडवी पोस्ट ऑफ़िस के सामने, मुम्बई फ़ोन : 022-23454429

देहली : 421, मटिया महल, उर्दू बाज़ार, जामेअ़ मस्जिद, देहली फ़ोन : 011-23284560

नागपूर : ग़रीब नवाज़ मस्जिद के सामने, सैफ़ी नगर रोड, मोमिन पुरा, नागपूर : (M) 09373110621

अजमेर शरीफ़ : 19/216 फ़्लाहे दारैन मस्जिद, नाला बाज़ार, स्टेशन रोड, दरगाह, अजमेर फ़ोन : 0145-2629385

हैदरआबाद : पानी की टंकी, मुग़ल पुरा, हैदरआबाद फ़ोन : 040-24572786

हुब्ली : A.J. मुधोल कोम्पलेक्स, A.J. मुधोल रोड, ओल्ड हुब्ली ब्रीज के पास, हुब्ली, कर्नाटक. फ़ोन : 08363244860

मक-त-बतुल मदीना®
दा'वते इस्लामी

सिलेक्टेड हाउस, अलिफ़ की मस्जिद के सामने, तीन दरवाज़ा अहमदआबाद-1. गुजरात, इन्डिया
Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net